

॥ नमः परमोपकारीश्रीकहानगुरुदेवाय ॥

॥ नमः श्रीसीमंघरजिनवराय ॥

॥ वन्दे भगवतीमातरम् ॥

पूज्य गुरुदेवश्री कानगुरुस्वामीना श्रुत-वाणीना गंगा प्रवाहणी सुवर्णपुरी समवसरण सम दिशी रही छे.
- अेवी आत्म साधनानी उत्कृष्ट साधना भूमिमां श्री गुजरात-सौराष्ट्र भगवती महिला मंडल सानंदे ढीजवे छे.

महिला मंडल शिर छत्र स्वात्मानुभवी पूज्य बहेन श्री यंपाबेनतो

१११ मी मंगल वार्षिक जन्मोत्सव

ॐ आमंत्रण-पत्रिका ॐ



आज बेननो जन्मदिन छे ने! अहांने केटलो उल्लास देभाय छे; अेमने कांई छे? अध्यात्ममां अेमनी स्थिति उदास, उदास ने ठरेली छे.

बेन (पूज्य बहेनश्री यंपाबेन) तो महा विदेहथी आल्यां छे. अेमना अनुभवनी आ (वयनामृत) वाणी छे. बेन तो (थोडा लवमां) केवणज्ञानी थशे.

-पूज्य गुरुदेवश्री



स्वानुभवविभूषित धर्मरत्न भगवती पू. बहेनश्री यंपाबेन दिनदिन वृद्धिमती निज परिणति वयनातीत सुमंगल है, मंगलमुरति-मंगलपदमें मंगल-अर्थ सुवंदन है.



पूज्य गुरुदेव तो आभा भारतना ज़ुवोने जागृत कर्या छे. सैंकडो वर्षोमां जे योभवट नहोती थई अेटली बधी मोक्षमार्गनी योभवट करी छे. नानां नानां जाणको पण समजु शके अेवी भाषामां मोक्षमार्गने खुल्लो कर्यो छे. अद्भुत प्रताप छे. अत्यारे तो लाभ लेवानो काण छे. ३४६.

-पूज्य बहेनश्री

आत्मस्वरूप भावनाना पुरुषार्थी भाईश्री / बहेनश्री,शुभ स्थण.....

देवाधिदेव परम पूज्य श्री महावीर भगवानना स्वानुभव मुद्रित अध्यात्म मार्गना पावन पथिक तथा विदेहक्षेत्रथी श्री सीमंघरस्वामीना दिव्य संदेशा भरतमां लावनार, श्रीमद् भगवत् आचार्यश्री कुंडकुंडदेवना समयसारादि परभागमोना रहस्योद्घाटक, आत्मज्ञ संत अध्यात्ममूर्ति परमोपकारी पूज्य कडानगुरुदेवश्रीनी स्वानुभव परिणत आध्यात्मिक दशानो, तेमनी 'त्रिकाण मंगण द्रव्य' रूप असाधारण विशेषतानो तथा सम्यक्त्व तीर्थ प्रवर्तनरूप अनंत उपकारोनी, लोकोत्तर अद्भुत महिमा जगतने समजावनार प्रशममूर्ति, स्वानुभव विभूषित, वीतराग देव-गुरु-धर्मना अनुपम उपासक पूज्य बहेनश्री यंपाबेननो आपणा उपर महान उपकार छे. जेमनी पवित्र आध्यात्मिक साधना अने सातिशय ज्ञान-वैराग्य लक्ति माटे पूज्य गुरुदेवश्रीने घणो ज अडोभाव इतो अने मुमुक्षु जगतना डितने अर्थ जेमनी प्रसिद्धि गुरुदेवने ईष्ट इती, अेटलुं ज नडि पण तेमनी निर्भण स्वात्मानुभूति, धर्मोद्योतकारी सातिशय जातिस्मरणज्ञान, रगेरगमां व्यापी गयेली निर्मानता, स्फुटीक समी स्वरछ सरणता, प्रशमरस नितरती उदासीनता अने सागर समान गंभीरता ईत्यादि पवित्र परिणतिनो महिमा कथवा माटे पोताने शब्दो ओछा पडता इता अने जेमना विषे ढीडा आदर्श आत्मारथी पंडितरत्न श्री हिंमतभाई जे. शाडे तथ्य स्पर्शी भाववाडी काव्यो द्वारा तेमनो पवित्रता पूर्ण महिमा सुप्रसिद्ध कर्यो छे.

आवां धर्ममूर्ति प्रशमविभूषित कडुषामयी पूज्य बहेनश्री यंपाबेननी १११ मी मंगलमय जन्मजयंती अति उल्लासपूर्वक ढीजववानु परम सौभाग्य अमने - श्री गुजरात-सौराष्ट्र भगवती महिला मंडलने - श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढनी अनुमतिथी संप्राप्त थयुं छे. आ असाधारण सौभाग्यनो अलभ्य लाभ लेवा अने महिला मंडलना आनंदोत्साहमां वृद्धि करवा देश-विदेशना समस्त मुमुक्षु समाजने आ मंगल प्रसंगे सुवर्णपुरी पधारवा धर्म वात्सल्यभीनुं डार्दिक आमंत्रण पाठवीअे छीअे.

आ उत्सव संतसाधनाभूमि अध्यात्म अतिशयक्षेत्र श्री सुवर्णपुरी मध्ये, श्रावण सु६-१३, शनिवार, ता.१७-८-२०२४ थी श्रावण व६-२ बुधवार, ता.२१-८-२०२४ -अेम पांच दिवस सुधी श्री समवसरण मंडलविधान पूजा, पूज्य गुरुदेवश्रीनां स्वानुभवसरणीना कल्याणकारी सी.डी. प्रवचनो, पूज्य बहेनश्रीनी विडीयो तत्त्वयर्थाओ आदि ज्ञान तेमज लक्तिनी आत्मडितकारी उपासनाना अनेकविध रोक्य कार्यक्रमो सह ढीजववामां आवशे. तो आवां आपणां परमोपकारी, कल्याणमूर्ति, पूज्य बहेनश्रीनी लक्तजन आनंदकारी जन्मजयंतीना आ मंगल महोत्सवनो अनुपम लाभ लेवा आप सौने सपरिवार तेमज साधर्मी मुमुक्षुमंडल सहित सोनगढ पधारवानुं अमारुं धर्मवात्सल्यभीनुं डार्दिक आमंत्रण छे.

मात जन्म महोत्सवना आ आनंदकारी अवसरे पधारवाथी अध्यात्म साधनातीर्थना सर्व जिनालयोमां बिराजमान वीतरागी जिनपिंभोना, कृत्रिम पडाउपर विशाणकाय प्रतिष्ठित बाडुबली मुनिवर, जंबूद्वीपमां बिराजित शाश्वता जिनपिंभोना, श्री पंचबालयति भगवंतोना, श्री कुंडकुंड प्रवचन मंडलमां नूतन प्रतिष्ठित जिनभगवंतोना दर्शन-पूजन-लक्तिनो, पूज्य भगवतीमाताना मार्गदर्शन तणे प्रवचनमंडल मध्ये निर्मित लव्य 'श्री कडानगुरु प्रभावना दर्शन' नो, शिक्षण शिबिरनो तथा घाटकोपर, वढवाण, मलाड तथा बोरिवलीनी दि. जैन लजन मंडणी द्वारा लक्तिनो तेमज अमारा श्री भगवती महिला मंडलना-बहेनो द्वारा धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमने भाषवानो लाभ मणशे.

-निज आत्मकल्याणना हेतुभूत, मात जन्म महोत्सवना अनुपम प्रसंगे आप सौने सोनगढ अवश्य पधारवा अमारु अति आग्रहभर्युं पुनः पुनः निमंत्रण छे.

विशेष आकर्षणो

- १) आराधना ओडीटोरीयममां पूज्य भगवती माता तथा सतीओनी शोर्ट डील्म
- २) भगवती कार्निवल: विविध ज्ञानसभर रमतो (Games)
- ३) 'ज्ञान-वैभव' लव्य नाटक - भगवती महिला मंडल द्वारा लजववामां आवशे
- ४) सम्यक्त्व सन्मुख: दररोज ओनलाईन मोबाईल क्वीज़ (माताजुना स्वानुभूति दर्शन)

आमंत्रण पत्रिका निज निवासस्थानेथी वाजते-गाजते परभागममंदिरमां लाववानो तेमज पत्रिका वांचननो लाभ ब्र. श्री कोकीलाबेन तथा श्री रूपाबेनने प्राप्त थयेल छे.

प्रेषक :

श्री गुजरात-सौराष्ट्र भगवती महिला मंडल
C/o. श्री दिगंबर जैन स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट,
सोनगढ - ३६४२५०. फोन : (०२८४६) २४४३३४

ॐ

लि.

श्री गुजरात-सौराष्ट्र भगवती महिला मंडल
-ना जय जिनेन्द्र